डॉ. डेव मैथ्यूसन, न्यू टेस्टामेंट लिटरेचर, व्याख्यान 24, फिलेमोन और थिस्सलुनीकियन

© 2024 डेव मैथ्यूसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह न्यू टेस्टामेंट हिस्ट्री एंड लिटरेचर में डॉ. डेव मैथ्यूसन हैं, फिलेमोन और थिस्सलुनिकियों पर व्याख्यान 24।

ठीक है, आइए आगे बढ़ें और शुरुआत करें, और प्रार्थना के साथ शुरुआत करें।

पिता, हमें प्यार करने और हमें अपने लोग बनने के लिए बुलाने के लिए हम आपको फिर से धन्यवाद देते हैं। और मैं प्रार्थना करता हूं कि हमें इस बात की अधिक समझ हो जाएगी कि इसका क्या मतलब है और उस वास्तविकता पर कैसे प्रतिक्रिया देनी है, उन दस्तावेजों में अधिक गहराई से देखने के बाद जो संचार करते हैं और उस आह्वान और उस पहचान को मूर्त रूप देते हैं कि हम आपके लोगों के रूप में कौन हैं। इसलिए, हम आपकी उपस्थिति और आपकी सक्षमता के लिए प्रार्थना करते हैं क्योंकि हम वे लोग बनने के उद्देश्य से नए नियम का विश्लेषण और अध्ययन करने के बारे में सोचते रहते हैं जैसा आप चाहते हैं कि हम बनें। यीशु के नाम पर, हम प्रार्थना करते हैं, आमीन।

ठीक है, पिछली कक्षा की अवधि में हमने कुलुस्सियों और फिलेमोन की पुस्तक पूरी की, दो पुस्तकें जिन्हें हमने नए नियम के पाठ के विहित क्रम से अलग कर दिया और स्पष्ट कारणों से उन्हें एक साथ व्यवहार किया। लेकिन उन मुद्दों में से एक जो विशेष रूप से फिलेमोन की पुस्तक उठाती है, लेकिन नए नियम के कुछ खंडों में उठाई गई है, फिलेमोन की पुस्तक के मुख्य विषय से संबंधित है।

और वह यह है कि, पॉल तुरंत सामने आकर गुलामी की निंदा क्यों नहीं करता? इसके बजाय, जब आप देखते हैं, उदाहरण के लिए, यदि आप कुलुस्सियों की पुस्तक को देखते हैं, तो पॉल गुलामी के मुद्दे को संबोधित करता है, लेकिन वह हमेशा ऐसा करता है कि इसे कैसे विनियमित किया जाए, दास कैसे होते हैं, स्वामी कैसे होते हैं अपने गुलामों को जवाब दें और इसके विपरीत भी। लेकिन पॉल कभी भी खुलकर सामने नहीं आता है और गुलामी की निंदा करता है और कहता है कि यह गलत है या स्वामियों से अपने दासों को रिहा करने का आह्वान करता है। और इसलिए अक्सर यह सवाल उठता है कि पॉल ऐसा क्यों नहीं करता? वह सामने आकर इसकी निंदा करने या इसके खिलाफ बोलने के बजाय गुलामी को विनियमित करने का विकल्प क्यों चुनता है? उसने बाहर आकर फिलेमोन और अन्य सभी दास मालिकों, विशेष रूप से ईसाई दास मालिकों को अपने दासों को रिहा करने के लिए क्यों नहीं कहा? अब, फिर से, मुझे नहीं पता कि मैं कर सकता हूँ या मैं उस प्रश्न का उत्तर देने का प्रयास करना चाहता हूँ।

मुझे नहीं लगता कि उस प्रश्न का उत्तर आसानी से मिल जाएगा। लेकिन इसके बजाय, मैं उस प्रश्न को संबोधित करने या उस पर विचार करने के लिए बस कई पैरामीटर या कई चीजें प्रदान करना

चाहता हूं। और पहला संबंध इस बात से है कि हम ग्रीको-रोमन दुनिया में गुलामी को कैसे समझते हैं।

पहली बात जो आपको समझने की ज़रूरत है वह यह है कि, हमारे पोस्ट के विपरीत, कम से कम संयुक्त राज्य अमेरिका में, उत्तरी अमेरिकी संदर्भ में, गुलामी का हमारा अनुभव आमतौर पर गृहयुद्ध के बाद का है , और जहां हम गुलामी को नस्लीय रूप से प्रेरित मानते हैं . हालाँकि, पहली सदी में ऐसा नहीं था। गुलामी कोई नस्लीय मुद्दा नहीं था.

कोई अपनी जाति या ऐसी किसी बात के कारण गुलाम नहीं बना। आमतौर पर, आप गुलाम बन गए क्योंकि आप एक ऐसे राष्ट्र या क्षेत्र का हिस्सा थे जिसे जीत लिया गया था और आप जीतने वाले राष्ट्र के गुलाम बन गए, या आप गुलाम बन गए क्योंकि आपको वित्तीय साधनों के लिए खुद को गुलामी में बेचना पड़ा। इसलिए, इसका नस्लीय प्रेरणा से कोई लेना-देना नहीं था।

समझने वाली दूसरी बात यह भी है कि कम से कम पहली शताब्दी में, गुलामी उन दासों के बीच व्याप्त थी जो बहुत क्रूर परिस्थितियों में काम करते थे, जैसे कि खदानों में सेवा के लिए भर्ती किए गए लोग, रोम में खदानों में काम करते थे। अंत, जो, फिर से, बहुत खराब परिस्थितियों में उनके साथ बहुत क्रूर व्यवहार किया गया, जबकि दूसरे छोर पर, आपके पास कुछ दास थे जो अमीर स्वामियों के लिए काम करते थे जिनके साथ बहुत अच्छा व्यवहार किया जाता था और कुछ अर्थों में वे गुलाम होने से पहले की तुलना में बेहतर स्थिति में थे। , खासकर यदि वे अत्यधिक गरीबी या उसके जैसा कुछ थे। हो सकता है कि वे अब एक मालिक के लिए काम कर रहे हों और उनके पास बेहतर भोजन और बेहतर आवास हो और कई बार वे अपनी स्वतंत्रता प्राप्त करने का साधन भी हों। इसलिए ग्रीको-रोमन साम्राज्य में गुलामी की परिस्थितियाँ उन परिस्थितियों से बहुत भिन्न थीं जिनके बारे में हम अक्सर आज सोचते हैं।

ग्रीको-रोमन दुनिया में गुलामी के संबंध में तीसरी बात यह है कि गुलामी की सर्वव्यापी प्रकृति के कारण, तथ्य यह है कि यह हर जगह थी, यह लगभग स्थिरता की तरह है, एक अर्थ में, अर्थव्यवस्था में स्थिरता रोमन सरकार इस पर निर्भर थी, मुझे आश्चर्य है कि अगर पॉल ने सोचा कि इसके खिलाफ बोलने की कोशिश करना व्यर्थ और शायद ईसाई धर्म के लिए अधिक हानिकारक होगा। वास्तव में, यह दिलचस्प है कि गुलामी के खिलाफ बोलने में पॉल के पास स्पष्ट रूप से कोई प्राथमिकता नहीं है। जब आप अन्य यहूदी लेखों आदि को देखते हैं, तो पॉल वास्तव में इस समस्या से निपटने की कोशिश में एक चतुर व्यक्ति होता, रोमन साम्राज्य में दासता का मुद्दा इसकी प्रकृति और इस तथ्य के कारण कि यह इतना अंतर्निहित और व्यापक था।

और फिर, यह संभव है कि अगर उसने ऐसा करने की कोशिश की होती और ईसाइयों ने गुलामी की समस्या को दूर करने की कोशिश की होती, तो यह संभव है कि इससे फिर से अधिक नुकसान हो सकता था और यहां तक कि ईसाई धर्म के अस्तित्व को भी खतरा हो सकता था, कम से कम कुछ लोगों ने अनुमान लगाया है। तो, पहली बात जो महसूस करना महत्वपूर्ण है वह यह है कि ग्रीको-रोमन दुनिया में गुलामी कभी-कभी हम जो सोचते हैं या जो हमने अनुभव किया है, उससे बहुत अलग थी, आप में से जो विभिन्न संस्कृतियों या देशों से हैं, जहां गुलामी एक प्रथा है

जीवन का हिस्सा। लेकिन संयुक्त राज्य अमेरिका में, हम अक्सर गुलामी के बारे में सोचते हैं, फिर से, गृह युद्ध के बाद के संदर्भ में, जहां यह कुछ मायनों में एक बहुत ही अलग अनुभव था।

तो, पहली बात यह है कि उन तीन चीजों का एहसास करें। गुलामी नस्लीय रूप से प्रेरित नहीं थी. कोई अपने से असंबद्ध, आम तौर पर किसी की पृष्ठभूमि या किसी की राष्ट्रीयता से असंबंधित विभिन्न तरीकों से गुलाम बन जाता है।

और फिर दूसरा, यह तथ्य कि गुलामी हमेशा क्रूर या अमानवीय नहीं थी, लेकिन कभी-कभी एक गुलाम के रूप में किसी की स्थिति, यदि कोई गुलाम था, तो वह खुद को गुलाम होने से पहले की तुलना में बेहतर स्थिति में पाता है। और फिर तीसरा, सिर्फ तथ्य यह है कि यह ग्रीको-रोमन संस्कृति में इतना अंतर्निहित था कि शायद, फिर से, शायद पॉल ने देखा या सोचा कि इसे कमजोर करने और इसके खिलाफ बोलने की कोशिश करना प्रतिकूल होगा। इसके बजाय, मुझे आश्चर्य है कि शायद पॉल ने एक और रणनीति अपनाने का फैसला किया, और उसने वही सुसमाचार सोचा, और ऐसा लगता है कि फिलेमोन में उसके तर्क का आधार क्या है, वही सुसमाचार जो यीशु मसीह के व्यक्तित्व में समान हिस्सेदारी की घोषणा करता है, या समान विरासत या सुसमाचार में समान हिस्सेदारी।

वह, और गलातियों में याद रखें, पॉल ने कहा, मसीह में, कोई पुरुष या महिला नहीं है, कोई गुलाम नहीं है और न ही स्वतंत्र है। तो, मुझे आश्चर्य है कि क्या पॉल ने शायद सोचा था कि सुसमाचार का प्रचार ही, कम से कम ईसाइयों के साथ, अंततः गुलामी को नष्ट और उजागर करेगा। यह न्यू टेस्टामेंट के पूर्व विद्वान एफएफ ब्रूस थे, जिन्होंने लंबे समय तक ब्रिटिश विश्वविद्यालयों में पढ़ाया था।

एफएफ ब्रूस ने कुछ इस तरह कहा कि उन्हें लगा कि पॉल आश्वस्त हो गए होंगे कि सुसमाचार के माध्यम से, सुसमाचार का प्रचार मसीह में किसी की एकता पर जोर देता है और मसीह में समानता पर जोर देता है जो सामाजिक भेदभाव से परे है। ब्रूस ने कहा कि उस सुसमाचार ने एक ऐसा वातावरण तैयार किया होगा जहाँ गुलामी केवल ख़त्म हो सकती है और अंततः ख़त्म हो सकती है। और उसके पास एक मुद्दा हो सकता है.

तो शायद पॉल ने सोचा कि सुसमाचार का प्रचार ही अंततः गुलामी को ख़त्म कर देगा। अन्य समय में, पॉल कुछ मुद्दों पर सीधे बात करने को तैयार था, लेकिन शायद मैंने जितनी टिप्पणियाँ की हैं, वह कम से कम इस बात को संबोधित करने की शुरुआत है कि शायद पॉल ने गुलामी के खिलाफ स्पष्ट रूप से क्यों नहीं बोला या इसकी पूरी तरह से निंदा नहीं की। हां।

यदि उसे पूर्ण स्वतंत्रता होती तो? दूसरे शब्दों में, अगर वह बिना कुछ किए इससे बच सकता था... हाँ, मुझे लगता है कि हमारे समाज में वह शायद ऐसा करेगा। मैं बस यह अनुमान लगा रहा हूं कि शायद हमारे समाज में जहां उन्हें इस संबंध में बोलने की अधिक स्वतंत्रता रही होगी और शायद राजनीतिक रूप से उनकी कुछ उलझनें नहीं रही होंगी, उदाहरण के लिए, आज उन्होंने इसके खिलाफ अधिक स्पष्ट रूप से बात की होगी। हाँ, ऐसा प्रतीत होता है।

फिर से, जिस तरह से वह संबोधित करता है... फिलेमोन में वह जो कर रहा है उससे मैं आश्वस्त हूं और फिर से, उसका जोर इस बात पर है, विशेष रूप से गैलाटियंस जैसी किताब में, मसीह में न तो गुलाम है और न ही स्वतंत्र। और यह विचार कि वह पूरे नए नियम में इस बात पर जोर देता दिखता है कि मसीह में सामाजिक वर्ग कोई मायने नहीं रखते और चर्च के भीतर विभाजन का कारण नहीं होना चाहिए, यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसके खिलाफ उन्होंने बात की होगी। और फिर, मुझे लगता है कि वह फिलेमोन जैसी किताब में परोक्ष रूप से ऐसा कर रहा है।

यह बहुत अच्छा प्रश्न है. मुझे लगता है कि अभी बहुत काम किया जाना बाकी है और मैं गुलामी पर पॉल के विचार का बिल्कुल भी विशेषज्ञ नहीं हूं, लेकिन उस क्षेत्र में शायद बहुत काम करना बाकी है। यह बहुत अच्छा प्रश्न है.

अच्छा। खैर, चलिए आगे बढ़ते हैं और प्रारंभिक चर्च के मेल का एक और टुकड़ा खोलते हैं। और इसलिए, हम मेलबॉक्स में पहुंचेंगे और एक पत्र निकालेंगे।

या वास्तव में दो पत्र जो थिस्सलुनीके या थिस्सलुनीके के एक चर्च को संबोधित हैं। मैंने ग्रीस के एक व्यक्ति से बात की जो कहता है, नहीं, यह थेसालोनिकी है। तो, आप इसे जो भी कहना चाहें.

मैं इसे एक तरह से थिस्सलुनीके कहता हूँ। मुझे नहीं पता क्यों, लेकिन इसका उच्चारण करने के कई तरीके हैं। लेकिन हम दो पत्रों के बारे में बात करेंगे, पत्र संख्या एक और पत्र संख्या दो जिन्हें पॉल ने थिस्सलुनीके की कलीसिया को संबोधित किया था।

हमें फिर से पूछना होगा, दो अक्षर क्यों? फिर से, हमने 1 और 2 कुरिन्थियों को देखा और देखा कि वे दो पत्र वास्तव में कोरिंथियन चर्च के साथ पॉल के पत्राचार का हिस्सा थे। हम कम से कम चार पत्रों के बारे में जानते हैं जो पॉल ने कुरिन्थ को लिखे थे, जिनमें से दो जीवित हैं जिन्हें हम 1 और 2 कुरिन्थियन कहते हैं। तो अब हमारे पास थिस्सलुनीके के चर्च को संबोधित दो पत्र हैं।

तो हमें पूछना पड़ेगा कि दो अक्षर क्यों? इन पत्रों को लिखने का अवसर किस परिस्थिति में आता है? तो सबसे पहले अक्षर क्रमांक एक। पॉल ने यह पत्र क्यों लिखा जिसे हम थिस्सलुनिकियों को पहला पत्र कहते हैं? जैसा कि आप देख सकते हैं, आपने पहले भी इससे मिलता-जुलता नक्शा देखा है, लेकिन यह एक नक्शा है और आप इसमें सभी प्रकार की विविधताएं पा सकते हैं, लेकिन यह अच्छा और रंगीन तथा सुव्यवस्थित था। इसलिए, मैंने इसे लगाने का फैसला किया।

यह स्पष्ट रूप से आधुनिक ग्रीस और आधुनिक तुर्की या प्राचीन एशिया माइनर है। और ये अलग-अलग रंग की रेखाएं प्रेरितों के काम की पुस्तक से पॉल की मिशनरी यात्राओं का प्रतिनिधित्व करती हैं। हमने तीन प्राथमिक मिशनरी यात्राओं को देखा, उनकी अंतिम, लाल रेखा पॉल की रोम की अंतिम यात्रा को प्रदर्शित करती है या उसका प्रतिनिधित्व करती है, अधिनियमों की पुस्तक अध्याय 28 में समाप्त होती है।

लेकिन आप देखेंगे कि यहाँ ऊपर थिस्सलुनीके है। यह वह पॉल है, विशेष रूप से प्रेरितों के काम अध्याय 17 में। इसलिए, 1 थिस्सलुनिकियों की पुस्तक के लिए हमारे पास प्राथमिक पृष्ठभूमि प्रेरितों के काम अध्याय 17 है, जहां पॉल ने थिस्सलुनीके में केवल कुछ महीने बिताए थे।

वह वास्तव में काफी प्रतिकूल परिस्थितियों में चले गये। थिस्सलुनीके में उनका स्वागत हर किसी को पसंद नहीं आया। इसलिए, वह थिस्सलुनीके में केवल कुछ महीनों के लिए था, यदि आप प्राचीन दुनिया को याद करते हैं, तो ग्रीस दो साम्राज्यों में विभाजित था, उत्तर में मैसेडोनिया और दक्षिण में अखाया।

थिस्सलुनीके मैसेडोनिया के उत्तरी भाग में था, जो आधुनिक यूनानी साम्राज्य का उत्तरी भाग था। और यहाँ नीचे कोरिंथ है। हमने कोरिंथ के दक्षिणी भाग अखाया में होने के बारे में थोड़ी बात की, लेकिन वहाँ थिस्सलुनीके है।

पॉल ने अपनी मिशनरी यात्राओं में से एक में वहां का दौरा किया था जिसे हम प्रेरितों के काम अध्याय 17 में दर्ज पाते हैं। और इसलिए, वहां कुछ महीनों के बाद, पॉल ने वास्तव में एक चर्च की स्थापना की थी। और फिर वह थिस्सलुनीके में चर्च के बारे में कुछ मुद्दों के बारे में समाचार सुनता है जिन पर उसे ध्यान देने की आवश्यकता है।

तो मूलतः इसीलिए 1 थिस्सलुनीकियों को लिखा गया है। 1 कुरिन्थियों की तरह, पॉल को भी कुछ समस्याओं का पता चलता है। जाहिरा तौर पर, कोरिंथ में समस्याएं थोड़ी अधिक गंभीर थीं और वहां उनकी संख्या अधिक थी, लेकिन फिर भी, कुछ मुद्दे थे जिन्हें पॉल ने बैठकर सुलझाना और थिस्सलुनिकियों को संबोधित करना आवश्यक समझा।

अब वो मुद्दे क्या थे? वास्तव में, यहाँ, ये कुछ हैं, यह आधुनिक शहर थेस्सालोनिका है। जब पॉल थिस्सलुनीके में था तो वह इस ऊपरी मंजिल पर रुका था। पहली सदी के थेसालोनिका के कुछ प्राचीन खंडहर।

एक दूसरी तस्वीर। दिलचस्प बात यह है कि आप प्राचीन शहर में किए गए कुछ पुरातात्विक कार्यों और इसके ठीक पीछे की आधुनिक संरचना के बीच अंतर देखेंगे। मैंने पाया कि ये मेरे द्वारा ली गई तस्वीरें नहीं हैं।

वे मुझे सौंप दिये गये। लेकिन प्राचीन शहर या अवशेषों और फिर बनी आधुनिक संरचना के बीच एक दिलचस्प विरोधाभास है। पत्र वास्तव में काफी सरलता से दो भागों में विभाजित होता है।

पहले तीन अध्याय हमें थिस्सलुनीके चर्च के साथ पॉल के संबंध और समस्याओं की प्रकृति के बारे में कुछ बता सकते हैं। फिर, कम से कम उसके कुछ अन्य पत्रों की तुलना में, वे उतने गंभीर या पॉल को उतने परेशान करने वाले नहीं लगते हैं। लेकिन पहले तीन अध्यायों में, पॉल मूल रूप से पाठकों की प्रशंसा करता है क्योंकि उसने सुसमाचार में उनकी प्रगति के बारे में जो खबर सुनी है वह अच्छी ही नहीं है।

कुछ पत्रों में एक आम परंपरा का पालन करते हुए, पॉल मूल रूप से अपने पाठकों को अपने पक्ष में कर रहा है ताकि जब उसके पास उनके लिए विशिष्ट निर्देश हों, तो उम्मीद है कि वे उनके प्रति ग्रहणशील होंगे और उनका पालन करेंगे। तो, पहले तीन अध्याय एक लंबे धन्यवाद ज्ञापन की तरह हैं। याद रखें, पॉल के अधिकांश पत्र धन्यवाद से शुरू होते हैं।

एक अर्थ में, धन्यवाद को पहले तीन अध्यायों में विस्तारित किया गया है क्योंकि पॉल ने पाठकों की प्रशंसा की है क्योंकि उन्होंने उस सुसमाचार में प्रगति की है जिसे उन्होंने पहली बार प्रेरितों के काम अध्याय 17 में प्रचारित किया था। लेकिन फिर से, अध्याय 4 और 5 में, पॉल के पास उनके लिए और भी निर्देश हैं। और जिन दो मुद्दों पर वह बात करते हैं, उनमें से एक है यौन शुचिता।

-रोमन देवताओं के बीच मंदिरों में कुछ पूजा के संबंध में। लेकिन इससे भी अधिक आम तौर पर, इसलिए यह संभव है कि कुछ थिस्सलुनिकियों को जो पॉल के मंत्रालय के तहत ईसाई धर्म में परिवर्तित कर दिया गया था, उन्हें अभी भी अपनी औपचारिक जीवनशैली में वापस जाना आकर्षक लग रहा होगा। इसलिए, पॉल, जैसा कि उसने 1 कुरिन्थियों में किया था, अब कुरिन्थियों को यौन शुद्धता के संबंध में निर्देश देता है, जिसे वह उनकी पवित्रता और उनकी पवित्रता की श्रेणी में रखता है।

इसलिए, पॉल के अनुसार, पवित्रता और पवित्रता की कोई सीमा नहीं थी। इसमें किसी का पूरा जीवन शामिल है। लेकिन एक और मुद्दा जिस पर पॉल चर्चा करता है वह है मसीह का दूसरा आगमन।

यह अभी तक नहीं होगा. याद रखें, हमने पहले से ही लेकिन अभी तक युगांतकारी तनाव के बारे में बात नहीं की है, इस तथ्य के बारे में कि भविष्य पहले ही आ चुका है। उदाहरण के लिए, राज्य में यीशु की शिक्षा में, राज्य पहले से ही मौजूद था, फिर भी यह अभी तक अपनी पूर्णता में नहीं आया था।

अब पॉल अभी तक नहीं को संबोधित करता है, यानी, वह इतिहास के अंत में मुक्ति और न्याय लाने के लिए मसीह के दूसरे आगमन के बारे में बात करता है। और एक दिलचस्प बात यह है कि जब आप पढ़ते हैं, लगभग इसका अनुमान लगाने के लिए, जब आप 1 कुरिन्थियों को पढ़ते हैं, तो आप देखेंगे कि प्रत्येक अध्याय के अंत में, मसीह के आगमन का, मसीह के भविष्य में आने का एक महत्वपूर्ण संदर्भ है। और फिर जब आप अध्याय 4 पर पहुंचते हैं, तो अंततः पॉल उसे और अधिक विस्तार से संबोधित करता है।

अब अध्याय 4 में, पॉल यही कहता है। और आप देखिए, कम से कम मुझे यह याद नहीं है कि अंतिम संस्कार के अलावा इस पाठ का उपदेश मैंने आखिरी बार कब सुना था। तो, यह संभव है कि आपने यह पाठ यहीं सुना हो।

लेकिन वह अध्याय 4 के श्लोक 13 से शुरू करते हैं, मैं नीचे हूं। लेकिन हम नहीं चाहते कि आप, भाइयों और बहनों, उन लोगों के बारे में अनभिज्ञ रहें जो मर गए हैं ताकि आप दूसरों की तरह शोक न करें जिनके पास कोई आशा नहीं है। चूँकि हम विश्वास करते हैं कि यीशु मर गया और फिर से जी उठा, वैसे ही यीशु के माध्यम से, परमेश्वर उन लोगों को अपने साथ लाएगा जो मर गए हैं। इसके लिए हम प्रभु के वचन के द्वारा तुम्हें घोषित करते हैं।

मैं प्रभु के वचन के अनुसार उस वाक्यांश पर वापस जाना चाहता हूं। वह क्या है? कि हम जो जीवित हैं, जो प्रभु के आने तक बचे हुए हैं, किसी भी तरह से उन लोगों से पहले नहीं होंगे जो मर

चुके हैं। क्योंकि प्रभु स्वयं आज्ञा की पुकार के साथ, और महादूत के चिल्लाने के साथ, और परमेश्वर की तुरही की आवाज के साथ स्वर्ग से उतरेंगे, और मसीह में मरे हुए पहले उठेंगे।

तब हम जो जीवित हैं, जो बचे हुए हैं, हवा में प्रभु से मिलने के लिए उनके साथ बादलों में उठा लिये जायेंगे। और इसलिए हम हमेशा मालिक के साथ होंगे। इसलिए इन शब्दों से एक-दूसरे को प्रोत्साहित करें।

और पद 18 कुंजी है. इसका मतलब, जाहिर है, इन संकटग्रस्त थिस्सलुनिकियों को प्रोत्साहित करना है क्योंकि उन्होंने कुछ अनुभव किया है। हम इस बारे में बात करेंगे कि पॉल किस समस्या को संबोधित कर रहा था, जिसके लिए मसीह में मृतकों के पुनरुत्थान और मसीह की पृथ्वी पर वापसी और हवा में उनसे मिलने के लिए सभी को इकट्ठा करने के लिए इस तरह के लंबे खंड का आह्वान किया गया था।

वह किस बारे में बात कर रहा है और पॉल को उस बारे में बात क्यों करनी पड़ी? लेकिन सबसे पहले, मुझे रास्ते से हटने के लिए बस एक बात कहने दीजिए। जिन बातों में अधिकांश लोगों की रुचि है उनमें से एक यह है कि 1 थिस्सलुनिकियों का युगांतशास्त्र और अंत समय की सामग्री के बारे में बाइबिल की समग्र शिक्षा में कैसे फिट बैठता है? और मेरा एक शौक यह है कि जब भी मैं चर्च जाता हूं, तो मुझे उनके सैद्धांतिक वक्तव्य पढ़ना पसंद है। और आप सोचते हैं, यह कैसी सनक है? चूँकि मैं चर्चों में सैद्धांतिक वक्तव्य नहीं पढ़ता, लेकिन मुझे यही करना पसंद है।

मुख्य रूप से, मैं सिर्फ यह देखना पसंद करता हूं कि उनमें क्या शामिल है और वे कितना विशिष्ट प्राप्त करना पसंद करते हैं और वे किस प्रकार की चीजों को बाहर करते हैं, किस प्रकार की चीजों को शामिल करते हैं। एक सैद्धान्तिक कथन केवल इस बात का कथन है कि यह चर्च क्या मानता है और बाइबल क्या सिखाती है, इसके बारे में क्या विशिष्ट है। इस चर्च से संबंधित लोगों की पहचान इस बात से होती है कि ईश्वर कौन है, ईसा मसीह कौन हैं, वे बाइबिल के बारे में क्या सोचते हैं, पवित्र आत्मा के बारे में क्या सोचते हैं, चर्च के बारे में क्या सोचते हैं।

और भविष्य के बारे में वे क्या सोचते हैं, इसके बारे में आम तौर पर कुछ प्रकार का बयान होता है। और इसलिए, 1 थिस्सलुनिकियों 4 भविष्य के बारे में क्या कहता है, इसमें रुचि है। और वह यह है कि, परमेश्वर इस संसार का अंत कैसे करेगा? और कई चर्च ऐसी विस्तृत योजनाएँ बनाना पसंद करते हैं जिनमें बहुत सारी जानकारी फिट बैठती हो।

क्या हम एक प्रकार की विस्तृत समयरेखा या कम से कम एक सामान्य समयरेखा बना सकते हैं जो बताती है कि यीशु मसीह के वापस आने पर चीजें कैसे सामने आएंगी? अब, दिलचस्प बात यह है कि, जब आप शुरुआती पंथों की ओर वापस जाते हैं, जैसे कि हम कभी-कभार प्रेरितों के पंथ का हवाला देते हैं या कुछ शुरुआती पंथों, नाइसीन पंथ को पढ़ते हैं, और फिर इतिहास के माध्यम से हमारे आधुनिक-दिन के सैद्धांतिक बयानों पर जाते हैं। चर्च ने हमेशा यह विश्वास किया है कि यीशु वापस आएंगे और इतिहास को निष्कर्ष पर लाएंगे और फिर एक नए स्वर्ग और नई पृथ्वी का उद्घाटन करेंगे, जिसके बारे में हम बाद में प्रकाशितवाक्य में बात करेंगे। लेकिन चर्च इस बात पर भिन्न हैं कि हम उस सामान्य योजना के बारे में विवरण कैसे भरते हैं। अब, आम तौर

पर, यहूदी युगांतशास्त्र में, पुराने नियम और नए नियम के समय और उसके दौरान लिखे गए कुछ यहूदी साहित्य की ओर वापस जाना, यहूदी युगांतशास्त्र को चित्रित करने का एक तरीका, इतिहास के अंत की उनकी समझ है और परमेश्वर के लोगों को न्याय दिलाने, चीज़ों को सही करने, पृथ्वी को नवीनीकृत करने और उसके राज्य को पुनर्स्थापित करने और स्थापित करने के लिए परमेश्वर की वापसी।

वह अभी तक चीजों का हिस्सा नहीं है। यहूदी युगान्तशास्त्र ने समझा होगा कि वे आम तौर पर वर्तमान युग में रह रहे थे, एक ऐसा युग जिसमें बुराई और पाप का बोलबाला था। हालाँकि ईश्वर अभी भी सक्रिय था, यह एक ऐसा युग था जहाँ, फिर से, शैतान इस दुनिया का शासक था और बुराई अभी भी हावी थी।

लेकिन एक दिन, एक दिन परमेश्वर हस्तक्षेप करेगा और आने वाला युग या नया युग आ जायेगा। इससे मेरा तात्पर्य नये युग के आन्दोलन से नहीं है। मेरा तात्पर्य नए युग से है जिसमें परमेश्वर के उद्धार के वादे, परमेश्वर के राज्य की बात की गई है जिसका वादा यीशु ने किया था, जो अभी इसका हिस्सा नहीं है, नई सृष्टि जिसका उद्घाटन परमेश्वर एक दिन करेगा, वह तब घटित होगी जब परमेश्वर वापस आएगा और सभी चीजों को पुनर्स्थापित करेगा और पृथ्वी का न्याय करेगा। परन्तु अपने वफ़ादार लोगों की सफ़ाई करता है और उन्हें पुरस्कार देता है।

अब, उस समय तक, बहुत सारे यहूदी साहित्य में उस चीज़ की भी कल्पना की गई थी जिसे अक्सर युगांत संबंधी संकट या जन्म पीड़ा कहा जाता है। वे अक्सर तुलना करते थे, दूसरे शब्दों में, तीव्र पीड़ा की अवधि जो सभी चीजों को नवीनीकृत करने, एक नई रचना स्थापित करने और अपना राज्य स्थापित करने के लिए भगवान के आगमन से पहले होगी। भविष्य में वह अवधि इन युगांत संबंधी संकटों की अवधि से पहले होगी या कुछ ने उन्हें जन्म पीड़ा कहा है।

जिस तरह से एक महिला को पता होता है कि दर्द बढ़ने पर वह बच्चे को जन्म देने वाली है, बच्चे को जन्म देने से पहले, इसी तरह यहूदियों ने इन संकटों या होने वाले क्लेश को समझा। यह एक तरह से अपने राज्य की स्थापना करने और सभी चीजों को नवीनीकृत करने और एक नई सृष्टि स्थापित करने के लिए भगवान के आगमन की प्रस्तावना और उद्घाटन होगा। तो यह उस चीज़ की पृष्ठभूमि तैयार करता है जो हम 1 थिस्सलुनिकियों और प्रकाशितवाक्य की किताब जैसी किताबों में पाते हैं।

सवाल यह है कि 1 थिस्सलुनीकियों और यह शिक्षा, हवा में मसीह से मिलने के लिए उठाए जाने का यह विचार और उससे मिलने के लिए उठाए जाने और हमेशा के लिए उसके साथ रहने और बादलों में उससे मिलने का विचार, यह सब कहां फिट बैठता है इस भविष्य के समय की इस समझ में, यह अभी नहीं है जब मसीह आएगा और अपना राज्य स्थापित करेगा और एक नई सृष्टि का उद्घाटन करेगा और दुनिया का न्याय करने के लिए सभी चीजों पर शासन करेगा, लेकिन जो लोग वफादार बने रहे हैं उन्हें न्यायसंगत साबित करने और पुरस्कृत करने के लिए? 1 थिस्सलुनीकेवासी इसमें कहाँ आते हैं? अब, मुख्य चीज़ जिसमें लोगों की रुचि है, और मैं इसे सामने लाने में झिझकता हूँ क्योंकि मुझे नहीं लगता कि यह व्यक्तिगत रूप से कोई बड़ा मुद्दा है, लेकिन बहुत से ईसाई अभी भी इस पर अभ्यास करते हैं, और इसका अधिकांश संबंध इसी से है

यहाँ यह काल युगान्तकारी संकट या क्लेश का काल है। और इसलिए, 1 थिस्सलुनिकियों 4 में, हम पद 17 में इस वाक्यांश को पढ़ते हैं, हम जो जीवित बचे हैं, बादलों में उठा लिये जायेंगे। उस वाक्यांश को पकड़ लिया गया जिसका लैटिन से अनुवाद किया गया है, बाइबिल के लैटिन संस्करण में एक लैटिन शब्द के साथ अनुवाद किया गया है जिससे हमें उत्साह शब्द मिलता है।

और दिलचस्प बात यह है कि, चर्च के कई सैद्धांतिक बयानों में, आप उन्हें संतों के उत्साह के बारे में बात करते हुए पाएंगे। यह वह समय है जब हम हवा में प्रभु से मिलने के लिए तैयार हो जाते हैं, जिसे हम 1 थिस्सलुनीकियों 4 में पाते हैं। सवाल यह है कि इस योजना में यह कब होता है? हवा में प्रभु से मिलने के लिए उठाया जाना कब घटित होता है? और समस्या यह है कि 1 थिस्सलुनीकियों 4 हमें युगांतशास्त्र के बारे में जानने के लिए सब कुछ नहीं बताता है क्योंकि फिर से, पॉल की मुख्य चिंता केवल श्लोक 18 में पर्याप्त कहने की है ताकि वे इन शब्दों के साथ एक-दूसरे को सांत्वना दे सकें ताकि वह जिस समस्या को संबोधित कर रहा है उसे संबोधित कर सकें। इसलिए, हम पॉल से यह उम्मीद नहीं कर सकते कि वह युगांतशास्त्र के बारे में या अभी तक नहीं, मसीह के दूसरे आगमन के बारे में जो कुछ भी कहना है वह सब कुछ कहे।

लेकिन यह पकड़ में कब आता है? तो, आपने इस भाषा के बारे में सुना होगा, क्लेश, इसका अर्थ युगांत संबंधी संकट है। अंतिम चार्ट में, युगांत संबंधी संकटों या जन्म की पीड़ा या कष्टों और क्लेश और परेशानी का यहूदी विचार, जो ईसा मसीह के दूसरे आगमन से तुरंत पहले होगा। मुख्य बात यह है कि यह कब पकड़ा जाता है जिसे हम उत्साह कहते हैं, यह इन मसीहाई या युगांत संबंधी संकटों या इस क्लेश, इन जन्म पीड़ाओं के संबंध में कब होता है? यदि आप चर्च के सैद्धांतिक वक्तव्यों को पढ़ेंगे, तो संभवतः आपको ये दोनों उतने नहीं मिलेंगे, लेकिन आपको यह अक्सर मिल जाएगा।

और यह वह दृष्टिकोण है जिसे पूर्व-क्लेश के रूप में जाना जाता है, यह कहता है, 1 थिस्सलुनीकियों 4 में हवा में प्रभु से मिलने के लिए उठाया जाना उन युगांत संबंधी संकटों से पहले या उससे पहले होता है जिन्हें हम महान के रूप में जानते हैं, कि पॉल या अन्य, पॉल नहीं, बल्कि अन्य लेखकों ने इसे महान क्लेश कहा है या फिर, यहूदी साहित्य ने इसे युगांत संबंधी संकट या प्रसव पीड़ा कहा है। तो, पूर्व-क्लेश कहता है कि यीशु हमें 1 थिस्सलुनीकियों 4 में पकड़ लेंगे। ऐसा होने से पहले ही यीशु हमें पकड़ लेते हैं। एक और दृश्य, वास्तव में कई विचार हैं।

मैं वास्तव में एक प्रकार का सरलवादी हूँ और केवल चर्च के इतिहास में प्रमुख विचारों को छू रहा हूँ। एक और दृष्टिकोण जो ऐसा नहीं है, मैं अब इस पर बहस नहीं सुनता। इसका एक प्रकार का संस्करण है, लेकिन आप इसे नहीं सुनते हैं।

वह मध्य- जनजाति का उत्साह है। मुझे लगता है कि वे अपना मन नहीं बना सके। तो, उन्होंने कहा कि यह बीच का मामला था।

इसीलिए नहीं. लेकिन यह इन युगांत संबंधी संकटों के बीच का समय है, यह क्लेश का समय है जो पिछली स्लाइड में ईसा मसीह के आगमन से ठीक पहले आता है, कि इसके बीच में इससे पहले कि यह वास्तव में खराब हो जाए और आगे बढ़ जाए, चर्च को पकड़ लिया जाएगा .

इसलिए, जब पॉल कहता है कि हम पद 18 में हवा में प्रभु से मिलने के लिए उठा लिए जाएंगे, तो वह इन युगांत संबंधी संकटों, क्लेश और संकट की इस अवधि के बीच के कुछ समय का उल्लेख कर रहा है।

अंततः, इसे क्लेश-पश्चात उत्साह के रूप में जाना जाता है। इसे हवा में प्रभु से मिलने के लिए उठाया जा रहा है, 1 थिस्सलुनिकियों 4 में तथाकथित उत्साह इन संकटों या क्लेश की अवधि के बाद या उसके बाद आता है। तो, यह उत्साह, तथाकथित उत्साह, और यीशु का दूसरा आगमन एक ही घटना है।

ये अन्य दो दृष्टिकोण उत्साह कहते हैं, यह 1 थिस्सलुनीकियों 4 में उठाया जाना और अपने राज्य की स्थापना और नई सृष्टि और सभी चीजों को नवीनीकृत करने के लिए मसीह का दूसरा आगमन दो अलग-अलग घटनाएं हैं। यह कहता है नहीं, वे एक ही चीज़ हैं। जब यीशु हमें अपने साथ रखने के लिए वापस आएंगे, तभी वह इतिहास का अंत करेंगे और अपना राज्य स्थापित करेंगे।

तो, विचार यह है कि भगवान के लोग इन युगांत संबंधी संकटों, इन प्रसव वेदनाओं, इस क्लेश का अनुभव करेंगे। लेकिन उस समय के अंत में, इतिहास के अंत में, भगवान आएंगे और अपने लोगों को अपने पास इकट्ठा करेंगे और फिर पूरी दुनिया का पुनर्निर्माण करेंगे, दुनिया का न्याय करेंगे, अपने वफादार लोगों को पुरस्कृत करेंगे, और अपना राज्य स्थापित करेंगे जो हमेशा के लिए रहेगा। इसलिए, यदि आप यह शब्दावली सुनते हैं, और जब लोग इस बारे में बात करते हैं तो सबसे अधिक संभावना यही आपको देखने को मिलेगी, लेकिन यदि आप यह शब्दावली सुनते हैं, तो इसका तात्पर्य इसी से है।

यह वह जगह है जहाँ 1 थिस्सलुनीकियों 4, पद 17 में हवा में प्रभु से मिलने के लिए उठाए जाने का यह संदर्भ है, जो इन संकटों या इस क्लेश की इस योजना में फिट बैठता है जो मसीह के दूसरे आगमन से पहले और उसके स्थापित होने की ओर ले जाता है। राज्य और अपनी नई सृष्टि स्थापित करने के लिए? हाँ यह सही है। मैं इन दोनों का अनुमान लगाता हूं, लेकिन विशेष रूप से यह अनुमान लगाता है कि मुझे लगता है कि हम मसीह के साथ स्वर्ग में हैं, इस समय की प्रतीक्षा कर रहे हैं , यह स्थिति स्वयं सामने आएगी, और फिर हम उसके राज्य की स्थापना के लिए उसके साथ पृथ्वी पर लौट आएंगे। . अब आप रात को सो सकते हैं, आप ठीक-ठीक जानते हैं कि ये क्या हैं, ये सभी स्थितियाँ, प्री- ट्रिब , मिड- ट्रिब , पोस्ट-ट्रिब।

लेकिन फिर, मैं इसे सिर्फ इसलिए उठा रहा हूं क्योंकि यह आज हमारे चर्च की भाषा का हिस्सा है और ऐतिहासिक रूप से रहा है। लेकिन बस मुझे कहने दो, बस मुझे एक बात कहने दो। जहाँ तक मैं बता सकता हूँ, चर्च ने हमेशा इस मुद्दे में विविधता को सहन किया है।

दुर्भाग्य से, इस मुद्दे का उपयोग अक्सर चर्चों और अन्य ईसाइयों के बीच विभाजन और अलगाव पैदा करने के लिए किया जाता है, जिन्हें वास्तव में इस तथ्य का जश्न मनाना चाहिए कि वे दोनों मानते हैं कि यीशु वापस आने वाले हैं, निश्चित रूप से इतिहास में, और वह स्थापित करने जा रहे

हैं उसका राज्य और इतिहास को समाप्त करें। चर्च का हमेशा से यही मानना रहा है। फिर से, वापस जाएँ और प्रेरितों का पंथ पढ़ें।

वापस जाएँ और कुछ शुरुआती पंथों को पढ़ें जहाँ वे केवल इस तथ्य का उल्लेख करते हैं कि यीशु वास्तव में न्याय करने के लिए, बल्कि अपने लोगों को बचाने और पुरस्कृत करने के लिए भी लौटेंगे। यीशु अपना राज्य स्थापित करने और इतिहास को समाप्त करने के लिए वापस आएंगे। मेरी राय में, इससे संबंधित सभी विवरण उपलब्ध हैं।

मुख्य मुद्दा यह है कि हम इसे विभाजित करने और इससे भी बदतर, उन लोगों को लेबल करने में नहीं फंसते हैं जो आध्यात्मिक हैं या नहीं या जिनमें सामान्य ज्ञान है या नहीं। चर्च ने सदैव इसमें विविधता को सहन किया है। दिलचस्प बात यह है कि इसे प्रदर्शित करने के लिए, एक किताब थी, मुझे लगता है कि इसे वास्तव में संशोधित किया गया है, लेकिन कई साल पहले द ट्रिब्यूलेशन प्री-, मिड- या पोस्ट- नामक एक किताब तैयार की गई थी।

और उनके पास प्रत्येक पद के लिए तीन व्यक्ति बहस कर रहे थे, और वे सभी एक ही स्कूल, एक ही मदरसा से थे। और उन्होंने अपनी स्थिति पर तर्क दिया। उन्होंने एक दूसरे से बातचीत की.

तो, यह उन मुद्दों में से एक है जिसका आपको सामना करना पड़ सकता है या नहीं, लेकिन निश्चित रूप से उन मुद्दों में से एक है जिसे अंततः काफी हद तक विनम्रता के साथ निपटाया जाना चाहिए। इसके बजाय, हमें उस पर ध्यान केंद्रित करना चुनना चाहिए जिसके बारे में हम निश्चित हो सकते हैं और जब पुराने और नए नियम के युगांत विज्ञान को समझने की बात आती है तो हम किस पर सहमत हो सकते हैं। ठीक है।

आप शायद जानना चाहेंगे कि मैं किसके अंतर्गत आता हूँ। मुझे आपको कुछ नहीं बताना है। कुछ अन्य बातें.

ठीक है, मैं आखिरी पर हूं। लेकिन फिर भी, मुझे वास्तव में कोई परवाह नहीं है। कुछ चीजें।

नंबर एक, इसके संबंध में, समस्या का हिस्सा है, अगले श्लोक, अध्याय 5 और श्लोक 1 को सुनना। पॉल कहते हैं, अब समय और ऋतुओं के संबंध में, भाइयों और बहनों, तुम्हें कुछ भी रखने की आवश्यकता नहीं है तुम्हें लिखा है. यह इस बात का स्पष्ट संकेत है, याद रखें कि हमने टेलीफोन रूपक का उपयोग अक्षरों को समझने के तरीके के रूप में किया था, जिसे हम फोन पर बातचीत के एक छोर से सुन रहे हैं। और जाहिर है, पॉल कहते हैं, मैं आपको इसके बारे में पहले ही बता चुका हूं।

इसलिए, उन्हें सभी विवरणों का पूर्वाभ्यास करने की कोई आवश्यकता नहीं दिखती। तो फिर, अध्याय 4 में, पॉल हमें वह सब कुछ नहीं बता रहा है जो वह जानता है और वह सब कुछ जो वह थिस्सलुनिकियों को पहले ही बता चुका है। वह उन्हें यह पहले ही बता चुका है।

और इसलिए, वे कहते हैं, आपको इसकी कोई आवश्यकता नहीं है कि मैं आपको इस बारे में अधिक विस्तार से लिखूं। मैं आपको पहले ही बता चुका हूँ, शायद जब वह प्रेरितों के काम अध्याय 17 में उनके साथ था। और अब वह सिर्फ सारांश देता है।

तो, एक तरह से, हम थोड़े गरीब हैं। हम इस पर बहुत ही आंशिक ज्ञान के साथ आये हैं। पॉल के रूपकों में से एक का उपयोग करने के लिए, जब 1 थिस्सलुनीकियों 4 को पढ़ने की बात आती है तो हम कांच या दर्पण के माध्यम से धुंधला देखते हैं। तो फिर, समस्या का एक हिस्सा यह है कि हमारे पास सारी जानकारी नहीं है क्योंकि पॉल ने पहले ही उन्हें बता दिया है और नहीं सभी विवरणों का दोबारा अभ्यास करने की आवश्यकता नहीं दिखती।

दूसरी बात यह है कि मैं पद 15 पर एक टिप्पणी करना चाहता हूं। पॉल कहते हैं, इसके लिए, हम आपको प्रभु के वचन के द्वारा घोषित करते हैं। अब, प्रभु का वह कौन सा वचन है जिसका पॉल उल्लेख कर रहा है? कुछ लोग आश्वस्त हैं कि उसके पास स्वयं यीशु मसीह का एक भविष्यसूचक संदेश था।

मसीह ने संभवतः अपनी आत्मा के माध्यम से पॉल से बात की है, जिसका वह दावा करता है। 1 कुरिन्थियों को याद करें, वह भविष्यवाणी के उपहार पर चर्चा करता है। तो शायद पॉल को यीशु मसीह से एक रहस्योद्घाटन प्राप्त हुआ है कि वह क्या सिखाने वाला है।

आपके अनुसार दूसरा विकल्प क्या हो सकता है? जब पॉल कहता है, मैं जो कह रहा हूं वह प्रभु का वचन है, तो दूसरा विकल्प क्या हो सकता है? मेरा मतलब है, यह संभावना है कि अध्याय 4 में उसने जो कहा है, उसके बारे में उसे स्वयं ईश्वर से, स्वयं यीशु से एक रहस्योद्घाटन, एक दिव्य रहस्योद्घाटन प्राप्त हुआ है। और क्या? अध्याय 4 को हम प्रभु का वचन कैसे मान सकते हैं? यह संभवत: धर्मग्रंथ के किसी पिछले खंड की बात कर रहा है, या तो पुराने नियम का या शायद कुछ ऐसा जिसे यीशु ने स्वयं पढ़ाया हो, या शायद दोनों का संयोजन हो। लेकिन आपके नोट्स में, आप देखेंगे कि मेरे पास 1 थिस्सलुनीकियों 4 और 5 और मैथ्यू 24 के बीच समानता वाला एक छोटा सा चार्ट है। मैथ्यू 24 यीशु की वापसी पर, दूसरे आगमन पर उनकी शिक्षा का सबसे लंबा खंड है।

और इसलिए, मैं व्यक्तिगत रूप से सोचता हूं कि जब पॉल कहता है, मैं जो कह रहा हूं वह प्रभु का वचन है, तो वह मूल रूप से मैथ्यू अध्याय 24 में यीशु ने जो सिखाया है उसका सारांश दे रहा है। ऐसा नहीं है कि पॉल के पास मैथ्यू था, लेकिन उसके पास एक लिखित विवरण हो सकता है या फिर, यीशु की बहुत सी बातें मौखिक रूप से प्रसारित हो रही थीं। लेकिन मुझे लगता है कि पॉल का क्या मतलब है जब वह कहता है कि मैं आपको श्लोक 15 में जो बता रहा हूं वह प्रभु का शब्द है, अर्थात अध्याय 4 प्रभु का वचन है क्योंकि यह मैथ्यू अध्याय 24 जैसे खंड में यीशु की शिक्षा पर आधारित है। 25.

इसलिए, यदि आप मैथ्यू 24 और 25 पर वापस जाते हैं, तो आप ईसा मसीह के आगमन पर यीशु की एक विस्तृत शिक्षा पढ़ेंगे। मैं इन सबके बारे में नहीं बताने जा रहा हूँ, लेकिन यह दिलचस्प है कि 1 कुरिन्थियों 4 और 5 में पॉल ने जो कहा है और मैथ्यू 24 में यीशु ने जो कहा है, उनके बीच इतनी समानताएँ हैं कि यह आपको बस यह सोचने पर मजबूर कर देता है कि पॉल सीधे तौर पर

है यीशु पर निर्भर. अब, आख़िरकार, पॉल किस समस्या का समाधान कर रहा था? और फिर मैं बहुत तेजी से 2 थिस्सलुनिकियों से होकर गुजरना चाहता हूं जैसे कि हम 1 थिस्सलुनीकियों से जल्दी नहीं गुजरे हों।

लेकिन पॉल किस समस्या का समाधान कर रहा होगा? खैर, दूसरे शब्दों में, उसे उन्हें दोबारा याद क्यों दिलाना पड़ा? फिर, यह पहली बार नहीं है जब उसने यह सिखाया है। ऐसा प्रतीत होता है कि वह उन्हें केवल वही याद दिला रहा है जो उसने उन्हें पहले सिखाया है। उसे इसका पूर्वाभ्यास करके उन्हें याद क्यों दिलाना पड़ता है? खैर, शायद इस तरह का एक परिदृश्य.

क्या यह संभव है कि जब प्रेरितों के काम अध्याय 17 में पॉल थिस्सलुनिकियों के साथ था, तो किसी कारण से, मसीह के दूसरे आगमन के बारे में शिक्षा देना महत्वपूर्ण था, और उसने उन्हें मसीह की वापसी और उसके आगमन और मसीहाई संकटों के बारे में सिखाने में कुछ समय बिताया, आदि, और मसीह का आगमन, प्रभु का दिन, जिसके बारे में हम 2 थिस्सलुनीकियों में उस वाक्यांश, प्रभु के दिन, पर वापस आएंगे। लेकिन शायद पॉल ने उस बारे में बात करने में कुछ समय बिताया। जिस समय पॉल थिस्सलुनीके में था और अब जब वह पत्र लिख रहा है, उस बीच, ऐसा प्रतीत होता है कि थिस्सलुनीके के चर्च में, शायद मण्डली में, कई लोगों की मृत्यु हो गई थी।

और अब कुछ ईसाई जो उस समय जीवित थे, सोच रहे थे कि क्या यीशु मसीह के वापस आने पर वे चूक जायेंगे या उन्हें कोई नुकसान होने वाला है। तो, क्या आप इसे देखते हैं, पॉल? फिर से, पॉल ने उन्हें सिखाया था, जब वह थिस्सलुनीके में था, अधिनियम 17, उसने उन्हें मसीह के दूसरे आगमन के बारे में सिखाया था। और फिर वह चला गया है, और शायद कुछ या कुछ सदस्यों की मृत्यु हो गई है, और चर्च के कुछ सदस्य चिंतित हैं कि उनके प्रियजन जो मर गए हैं, यीशु के वापस आने पर चूक जाएंगे। क्या वे उन आयोजनों से चूक जायेंगे? या फिर उन्हें नुकसान होगा? और पॉल की प्रतिक्रिया है, नहीं, वे ऐसा नहीं करेंगे।

इसीलिए मुझे लगता है कि वह कहते हैं, मसीह में मरे हुए पहले उठेंगे, और फिर हम जो बचे रहेंगे, उनसे हवा में मिलेंगे। यह एक तरह से पॉल के कहने का तरीका है, नहीं, उन्हें कोई नुकसान नहीं होगा। वे यीशु मसीह के वापस आने पर होने वाली घटनाओं में पूरी तरह से भाग लेंगे।

इसलिए परेशान मत होइए. आशा मत खोना. परन्तु इसके बजाय, इन शब्दों से एक दूसरे को प्रोत्साहित करें।

आपके प्रियजन उन घटनाओं में पूरी तरह से भाग लेंगे जो यीशु के लौटने पर अभी तक नहीं आने पर घटित होती हैं। हालाँकि उन्होंने इस बारे में बहुत कुछ नहीं बताया कि उन्होंने क्यों सोचा कि वे चूक सकते हैं, लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि यह एक संभावित स्पष्टीकरण है।

ठीक है, इसलिए पॉल ने थिस्सलुनीके चर्च को दो मुद्दों के बारे में निर्देश दिया है, यौन अनैतिकता, लेकिन अब मसीह का आगमन।

शायद इसलिए कि थिस्सलुनीके के कुछ ईसाइयों को आश्चर्य हुआ कि क्या जो लोग मर गए थे, जो ईसाई थे, वे यीशु के लौटने पर चूक जाएंगे, और पॉल ने उन्हें आश्वासन दिया, नहीं, वे पूरी तरह से भाग लेंगे। लेकिन अब, आइए मेल के अगले टुकड़े, थिस्सलुनिकियों को लिखे दूसरे पत्र को देखें। मैं यह मानने जा रहा हूं कि प्रथम और द्वितीय थिस्सलुनिकियों को उसी क्रम में लिखा गया था।

इसे उस तरह से नहीं किया जाना है। फिर, याद रखें, पॉल के पत्र आम तौर पर लंबाई के क्रम में व्यवस्थित होते हैं, न कि उस क्रम में जिस क्रम में वे लिखे गए हैं। तो दूसरा थिस्सलुनीकियों को पहले लिखा जा सकता था, लेकिन मैं यह तर्क देने जा रहा हूं कि पहले थिस्सलुनीकियों को और फिर दूसरे थिस्सलुनीकियों को लिखा हुआ देखना बेहतर होगा।

तो फिर थिस्सलुनिकियों को एक और पत्र क्यों? ठीक है, जाहिरा तौर पर, थिस्सलुनीकियों ने स्पष्ट रूप से जवाब दिया, यह पूरी समस्या या पूरा मुद्दा नहीं है, लेकिन जाहिरा तौर पर उन्होंने पहले थिस्सलुनीकियों में पॉल की शिक्षा पर बहुत अधिक प्रतिक्रिया व्यक्त की और थोड़ा बहुत अच्छा जवाब दिया। अर्थात् यह सुनो, कि हमारे प्रभु यीशु मसीह का आना, और हमारा उसके साथ इकट्ठे होना है। अध्याय 4 में यही सन्दर्भ है, हवा में प्रभु से मिलने के लिए उठाया जाना।

अब पौलुस कहता है, अब प्रभु के आने और इकट्ठे होने के विषय में, हे भाइयो और बहनों, हम तुम से बिनती करते हैं, कि आत्मा, वा वचन, या पत्र के द्वारा जल्दी से मन न हिलाओ, और न घबराओ, मानो यह हमारी ओर से हो। प्रभु का दिन पहले ही आ चुका है। जाहिरा तौर पर, थिस्सलुनिकियों ने, पॉल द्वारा प्रथम थिस्सलुनिकियों को लिखने के बाद, अब पहले थिस्सलुनिकियों को, उन्होंने विपरीत चरम पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है, और वे सोचते हैं कि वे पहले से ही प्रभु के दिन में हैं। वे सोचते हैं कि वे मसीह की वापसी, दूसरे आगमन के साक्षी बनने वाले हैं, जो अभी इतिहास को समाप्त नहीं करेगा।

ऐसा हो सकता है, जैसा कि पॉल कहते हैं, ऐसा इसलिए हुआ होगा क्योंकि किसी ने उन्हें एक पत्र लिखकर बताया था, जैसे कि पॉल ने इसे लिखा हो। फिर, शायद वह अतिप्रतिक्रिया थी। फिर से, ध्यान दें कि पॉल ने थिस्सलुनीकियों के पहले अध्याय 4 में कैसे बात की थी। आप देख सकते हैं कि, कई अन्य चीजों के साथ, थिस्सलुनिकियों ने अतिरंजित प्रतिक्रिया व्यक्त की होगी जब पॉल कहता है कि हम जो जीवित हैं, आने तक बचे हुए हैं भगवान।

मेरा मतलब है, क्या कुछ लोग यह नहीं मान सकते कि, ओह, जब यीशु मसीह वापस आएगा तो हम जीवित रहेंगे? इसलिए, हम पहले से ही प्रभु के दिन में हैं। तो, जो भी मामला हो, हालांकि, वे वहां पहुंच गए, दूसरे थिस्सलुनिकियों के साथ मुख्य समस्या यह है कि थिस्सलुनिकियों के ईसाई अब सोचते हैं कि वे पहले से ही प्रभु के दिन में हैं। प्रभु का दिन एक शब्द था जो मूल रूप से अंत, समय को संदर्भित करता था।

यह आवश्यक रूप से एक शाब्दिक दिन, 24 घंटे की अवधि नहीं थी। यह सिर्फ उस समय को संदर्भित करता है जब भगवान वापस आएंगे और अपने राज्य और नई सृष्टि की स्थापना करेंगे। वह बुराई का न्याय करेगा और वह अपने लोगों को इनाम देगा।

पुराने नियम में इसे प्रभु का दिन कहा गया था। अब, थिस्सलुनीके चर्च में कुछ लोगों ने सोचा कि वे पहले से ही वहाँ थे, कि प्रभु का दिन पहले ही आ चुका था। अब, यहाँ पॉल की प्रतिक्रिया है।

संक्षेप में कहें तो, वह मूल रूप से कहते हैं, प्रभु का दिन नहीं आया है। तो, थिस्सलुनिकियों, आप प्रभु के दिन में नहीं हैं क्योंकि कुछ चीजें हैं जो होनी ही थीं जो अभी तक नहीं हुई हैं। यह मूल रूप से पॉल के दूसरे थिस्सलुनीकियों को लिखे पत्र का सारांश है, दूसरे थिस्सलुनीकियों का, थिस्सलुनिकियों, आप प्रभु के दिन में नहीं हैं क्योंकि प्रभु का दिन आने से पहले, कुछ चीजें होनी हैं और वे अभी तक नहीं हुई हैं।

तो, इसलिए, आप प्रभु के दिन में नहीं हैं। अब, समस्या यह है कि मुख्य भाग अध्याय 2:2-11 है। समस्या यह है कि पॉल जो बातें सूचीबद्ध करता है, जो बातें वह कहता है, वे अभी तक घटित नहीं हुई हैं और जब तक वे घटित नहीं होतीं, प्रभु का दिन नहीं आ सकता।

इसलिए, थिस्सलुनिकियों, यह सोचकर धोखा मत खाइए कि आप पहले से ही अंत में हैं, कि इतिहास को समाप्त करने के लिए मसीह का आगमन, यह बिल्कुल निकट है। इसके बारे में सोचकर धोखा मत खाइये। पॉल को आज वापस आकर वे बातें कहनी चाहिए।

नवीनतम, मैं पिछले दिनों कुछ लोगों से बात कर रहा था, और नवीनतम भविष्यवाणी 12 मई को है, यीशु वापस आ रहे हैं। तो, क्षमा करें, आपको फाइनल लेना होगा, मुझे क्षमा करें, या शायद नहीं, नहीं। हो सकता है कि आप अपने कुछ फाइनल मिस कर जाएं।

तो, वैसे भी, लेकिन थिस्सलुनिकियों का यह एक प्रकार था, यह उसी का एक संस्करण था, कि उन्होंने सोचा कि वे पहले से ही प्रभु के दिन में थे और इतिहास ख़त्म होने वाला था। तो, पॉल कहते हैं, नहीं, नहीं, कुछ चीजें हैं जो नहीं हुई हैं, लेकिन समस्या यह है कि पॉल जिन चीजों को सूचीबद्ध करता है। उन्होंने तीन चीजें गिनाईं.

उन्होंने तीन चीजें गिनाईं. नंबर एक, विद्रोह. वह कहता है कि विद्रोह अभी तक नहीं हुआ है, अधर्म का आदमी अभी तक नहीं आया है, और जिस अवरोधक को हटाया जाना है वह अभी तक नहीं हटाया गया है।

तो, क्या इससे आपको मदद मिलती है? खैर, समस्या यह है कि यह विद्रोह है क्या? मेरा मतलब है, यहाँ विचार कुछ धर्मत्याग या ईश्वर से विमुख होने का है। लेकिन पॉल वास्तव में इस बारे में विशिष्ट नहीं है कि वह क्या है या वह कैसा दिखेगा। यह किस हद तक घटित होने वाला है? तो, अधर्म के आदमी के बारे में क्या? कुछ लोगों ने इसे एक विशिष्ट व्यक्ति के रूप में पहचानने की कोशिश की है, जैसे कि एक मसीह-विरोधी व्यक्ति।

क्या पॉल किसी विशिष्ट व्यक्ति की बात कर रहा है? क्या वह समाज में व्याप्त एक प्रकार की भावना या विद्रोह की प्रवृत्ति की ओर अधिक इशारा कर रहा है? पॉल नहीं कहता. रोकने वाले के बारे में क्या? तमाम तरह के सुझाव आए हैं. पॉल का कहना है कि रोकने वाला अब बुराई को रोक रहा है, और केवल जब रोकने वाला हटा दिया जाएगा, तब बुराई अपना काम करेगी और फिर अंत आ जाएगा।

लेकिन दुनिया में निरोधक क्या है? कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि रोकने वाला स्वयं ईश्वर है। कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि यह पवित्र आत्मा है। कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि यह चर्च है।

कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि यह सुसमाचार है, सुसमाचार का उपदेश है। कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि यह पहली शताब्दी में रोमन साम्राज्य था। तमाम तरह के सुझाव आए हैं.

लेकिन समस्या यह है कि हम निश्चित रूप से निश्चित नहीं हो सकते कि इनमें से कोई भी चीज़ क्या है। क्या, शायद फिर से, समस्या यह है, पॉल कहते हैं, क्या आपको याद नहीं है जब मैंने आपको इन चीजों के बारे में बताया था? मुझे तुम्हें उन दिनों और समय के बारे में बताने की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि मैं तुम्हें पहले ही बता चुका हूँ। तो शायद थिस्सलुनिकियों और पॉल को ठीक-ठीक पता है कि किस बारे में बात की जा रही है, और हम ही हैं जो अंधेरे में रह गए हैं कि ये वास्तव में क्या हैं।

लेकिन मुझे लगता है कि कम से कम, मुद्दा यह है कि पॉल कह सकता है कि कुछ चीजें हैं जो नहीं हुई हैं और होनी चाहिए, और तब तक, इतना परेशान न हों और यह न सोचें कि आप पहले से ही हैं अंत की कगार. यह मत सोचो कि तुम पहले से ही प्रभु के दिन में हो। मूलतः 2 थिस्सलुनिकियों के बारे में यही है।

अब, मुझे लगता है कि जब हम 1 और 2 थिस्सलुनिकियों को एक साथ रखते हैं, तो यह एक गहरा संदेश देता है कि कैसे... थिस्सलुनिकियों।

यह न्यू टेस्टामेंट हिस्ट्री एंड लिटरेचर में डॉ. डेव मैथ्यूसन हैं, फिलेमोन और थिस्सलुनिकियों पर व्याख्यान 24।